Jain Engineers Society News

Society Registration No. -IND/5887/2001, dtd 20.02.2002 **For Social Cause**

Year : 10, Edition : 6 Indore, 20 June 2011 Page : 4 Rs. : 12/- (Yearly)

JES THOUGHT : "When You Are In The Light, Everything Follows You, But When You Enter Into The Dark, Even Your Own Shadow Doesn't Follow You." Hitler.....

प्रगति के नये सोपानों की ओर ...

जैस उज्जैन के लिये मई का महिना नयी उपलब्धियाँ लेकर आया। पूर्व में निर्धारित सभी योजनाओं पर पूरी समग्रता से कार्य करते हुये परिवार के बच्चों की उपलब्धियों से भी सदस्यों को समाज के सुखद भविष्य के प्रभावी संकेत मिले।

हाल ही में घोषित सी.बी.एस.ई. की दसवी कक्षा के परिणाम में कु. आशी, पुत्री इंजी जे.के. जैन (पॉलीटेकनिक) मा. श्रेयांस पुत्र इंजी शैलेन्द्र शाह, कु. सलोनी पुत्री इंजी सुनील जैन, मा.आशु सुपुत्र इंजी अरूण जैन PMGSY, मा. अपूर्व पुत्र ई. भरत शाह कु. रूपाली पुत्री इंजी पवन जैन MPEB ने अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन से सभी को गौरवांवित किया है। इनकी ग्रेडिगं प्राप्तांक ९ से १० तक है। जैस परिवार ने प्रतिभावान बच्चों को बधाईयाँ देकर उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना की।

दामपत्य की वर्षगांठ पर इंजी चक्रेश जैन-श्रीमती कल्पना जैन, इंजी संतोष जैन-श्रीमती सुधा जैन, इंजी दिलीप कुमार-श्रीमती मंजुला जैन, इंजी शैलेन्द्र जैन-श्रीमती संगीता जैन, इंजी राजेश पाटौदी- श्रीमती बबली पाटौटी को उनके परिणय की वर्षगाँठ पर ११, १३ व २० मई को उनके आवास पर आयोजित मिलन समारोह में इंजी आर.सी. जैन के नेतृत्व में बधाईयाँ दी गयी।

इंजी जे.के. जैन, इंजी दीपक जैन एक्सल को उनके जन्मदिन २० व ३१ मई को तथा श्रीमती अलका जैन इंजी जे.के. जैन, श्रीमती मंजुलता जैन इंजी पी.सी. जैन को २४ व २८ मई को उल्लास व उमंग के आयोजन में बधाईयाँ सम्प्रेषित की गयी।

ग्रीष्म की भीषण तपिश में दामपत्य की वर्षगाँठ की शीतल फुहारें -१, ४ व ७ जून को श्रीमती कविता-इंजी संजय गोंदिया, इंजी वीरसेन-श्रीमती मोतीरानी (कोषाध्यक्ष जैस) इंजी सुनील जैन श्रीमती सरिता जैन को संघटन के सदस्यों द्वारा मनोरंजक कार्यक्रम में प्रदान की गयी।

जन्मदिन की मंगलकामनायें श्रीमती अनिता जैन इंजी. अतुल जैन अध्यक्ष पंचम राष्ट्रीय अधिवेशन को ४ जून को दी गयी।

धर्म, संस्कृति व प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ जैन संस्कृति की समृद्ध धरोहर से सर्वोर्द्धित उत्कल धरा (भुवनेश्वर कटक, कोणार्क, पुरीव व चिलका) की यात्रा का कार्यक्रम वर्षांत में प्रस्तावित किया गया।

पारिवारिक आयोजनों के शुभावसर पर आयोजक के आवास पर गरिमामय समारोहों में प्रेम, नेह, सहयोग व प्रगति के नये आयाम प्राप्त हो रहे है।

उज्जैन में विराजित १०८ आचार्य श्री योगेन्द्र सागर जी के सानिध्य में भी जैन सदस्य सृजनात्मक कार्यो में उल्लेखनीय योगदान दे रहे है।

इंजी अरूण कुमार जैन, जनसम्पर्क अधिकारी, उज्जैन

विश्व पर्यावरण दिवस पर
ई-माईक्रो एक्टीवोज़र का लोकार्पण

जैन इंजीनियर सोसाईटी (जेस) पिछले ७ वर्षों से अग्रणी रुप से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, यातायात की दिशा मे जन-चेतना एवं जन-जागरण का कार्य कर रही है।

इसी श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए ५ जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जैन इंजीनियर सोसाईटी भारत सरकार द्वारा मान्य, माईक्रोबायोलॉजी आधारित, प्राकृतिक विधि द्वारा नदी-नालों का शुद्धिकरण करने हेतु एवं शहरवासियों को शहर से मुक्ति की दिशा मे ईएमज़ेड. तकनिकी द्वारा तैयार किये गये उपकरण का लोकार्पण किया गया। यह उपकरण जैन इंजीनियर सोसाईटी के माननीय वैज्ञानिक एवं सदस्य डॉक्टर सनत कुमार जैन द्वारा इंदौर के उपयोग हेतु तैयार किया गया है, जिसका उपयोग भारत मे पहली बार इंदौर मे किया गया।

इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि माननीय श्री कृष्ण मुरारी मोघेजी (महापौर, इंदौर नगर निगम) कार्यक्रम अध्यक्ष श्री महेन्द्र हार्डिया (स्वास्थय राज्य मंत्री) एवं पार्षदगण ने हिस्सा लिया। साथ ही पर्यावरण विभाग के उच्च अधिकारी एवं विशेषज्ञ एवं नगर के गणमान्य श्रेष्ठजन भी इस कार्यक्रम मे सम्मिलित थे।

शैलेन्द्र जैन (छाबड़ा)
सचिव,
जैन इंजीनियर सोसाईटी
इंदौर

जेस कोटा चेप्टर की गतिविधियाँ

दिनांक १३ अप्रेल २०११ को जैन इंजीनियर्स सोसायटी कोटा चेप्टर एवं शहीद सुभाष शर्मा समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में एक मेगा चैरिटी शॉ का आयोजन ओम सिनेप्लेक्स (आयोनेक्स) में किया गया। शॉ से पूर्व शहीद शर्मा के जन्मदिन १३.०४.२०११ पर उनको जैन इंजीनियर्स सोसायटी के सदस्यों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोटा के महापौर डॉ. रत्ना जैन थी तथा अध्यक्षता पंचायत समिति इटावा के प्रधान मानवेन्द्र सिंह ने की। शहीद सुभाश शर्मा की पत्नि वीरांगना बबीता शर्मा कार्यक्रम में विशेष तौर पर उपस्थित थी। मुख्य अतिथि अध्यक्ष एवं जैन इंजीनियर्स सोसायटी के अध्यक्ष अजय बाकलीवाल, कोटा के पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. लक्ष्मीकान्त दाधीच, बून्दी के इतिहासकार डॉ. नागर, डॉ. आर.सी. साहनी एवं डीएसओ राकेश जायसवाल ने शहीद सुभाष शर्मा की आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में देश के लिए शहीद होने पर एवं उनके जीवन पर प्रकाश डाला। शहीद सुभाष शर्मा की पत्नि वीरांगना बबीता शर्मा ने शहीद द्वारा मोर्चे से माँ को लिखी मार्मिक चिट्ठी पढ़कर सुनाई। चैरिटी शॉ में आतंकवाद पर फिल्म 'A Wednesday' दिखाई गयी। फिल्म का चित्रण अत्यन्त ही प्रभावी था। इस चैरिटी शॉ में कोटा के कॉचिंग संस्थान रेजोनेन्स का विशेष सहयोग रहा तथा चैरिटी शॉ के मुख्य प्रायोजक रहे। सहप्रायोजक के रूप में फोर्टिस मोदी हॉस्पिटल, कोटा कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अजय बाकलीवाल 'एन' एसोसिएट्स, मूसा भाई रॉयल टेप्स, काउन्सिल इण्डिया, पंकज पॉइन्ट, एम.एस. बोहरा एन्टरप्राइजेज, क्विक एडवरटाइजिंग कम्पनी, शिव शर्मा, मोहम्मद कन्स्ट्रक्शन कम्पनी एवं चम्बल बिल्डर्स एण्ड कॉलोनाइजर्स रहे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जेस के नवनिर्वाचित सचिव पी.सी. कासलीवाल में धन्यवाद ज्ञापित किया। शॉ का आनन्द लगभग ४०० व्यक्तियों ने उठाया।

दिनांक २४ अप्रेल २०११ जैन इंजीनियर्स सोसायटी कोटा चेप्टर, उपभोक्ता सहयोग संस्थान एवं श्याम परिवार द्वारा दिनांक २३ व २४ अप्रेल २०११ को हृदय रोग परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हार्ट्स संजीवनी सेन्टर सराणा (नासिक) महाराष्ट्र के डॉ. संजय.व्ही. पाटिल ने अपनी सेवायें दी। शिविर का शुभारम्भ दिनांक २३ अप्रेल २०११ को सुबह १०.३० बजे किया गया। शुभारम्भ कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराव भीमसिंह चिकित्सालय, कोटा के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए.आर. गुप्ता थे तथा विशिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ. नागर उपस्थित थे। प्रारम्भ में जेस कोटा चेप्टर के उपाध्यक्ष आर.के. जैन (पूर्व सचिव) द्वारा डॉ. संजय.व्ही. पाटिल, डॉ. गुप्ता, डॉ. नागर, मुम्बई से धमनियों की जांच हेतु आये हुए डॉ. मट्टू, उपभोक्ता सेवा संस्थान, श्याम परिवार के पदाधिकारियों एवं शिविर में जांच हेतु आये महानुभावों का स्वागत किया एवं शिविर की उपादेयता पर प्रकाश डाला। उन्होने बताया कि जेस कोटा चेप्टर के सहयोग से यह दूसरा शिविर कोटा में हो रहा है जिसमें १५० व्यक्तियों के रजिस्ट्रेशन हो चुके है। शिविर में डॉ. गुप्ता चिकित्सा अधीक्षक, एम.बी.एस. अस्पताल, कोटा एवं डॉ. नागर ने भी अपना उद्बोधन दिया। डॉ. पाटिल ने हदय रोग होने के कारणों एवं उनसे बचाव पर प्रकाश डाला। उन्होने विस्तार से प्रकाश डालते हुये बताया कि हदय बीमारियों का बिना ऑपरेशन किलेशन थेरेपी से किस प्रकार उपचार किया जा सकता है तथा रोगी को इससे किस प्रकार व कितना लाभ होता है। डॉ. पाटिल ने बताया कि EECP (Enhanced External Counter Pulsation) बगैर ऑपरेशन के हदय नलिकाओं के ब्लाकेज हट करने की अत्याधुनिक उपचार पद्धति है एवं एंजियोप्लास्टी/ बाइपास सर्जरी का अच्छा विकल्प है। जो व्यक्ति अधिक दवाई लेने पर भी हदय पीड़ा सह रहे है अथवा जिन मरीजों को एंजियोप्लास्टी या बाइपास सर्जरी के लिये मना किया है अथवा जो बाइपास सर्जरी या एन्जियोप्लास्टी नहीं करना चाहते तथा सभी प्रकार के मरीज को किसी भी तरह के हदय घात से पीडित है इस पद्धति का लाभ ले सकते है यह काफी कम खर्च वाली पद्धति है।

शिविर में जेस कोटा चेप्टर के अध्यक्ष अजय बाकलीवाल, सचिव पी.सी. कासलीवाल, संयुक्त सचिव अशोक जैन (पोटलिया), कोषाध्यक्ष पदम कुमार जैन, संरक्षक महावीर कोठारी, वी.के. गोलछा, ज्ञानचन्द जैन, महावीर बडजात्या आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उपभोक्ता सहयोग संस्थान के महामंत्री श्री महावीर जैन द्वारा किया गया एवं इन्होने शिविर का लाभ लेने हेतु मरीजों के बहुत अधिक संख्या में आने को शिविर की लोकप्रियता बताया। उन्होने बताया कि शिविर के प्रारम्भ होने से पूर्व ही निर्धारित संख्या १२० के रजिस्ट्रेशन हो चुके थे किन्तु मरीजों की समस्याओं एवं कोटा के बाहर से दूर दराज के मरीजों द्वारा अत्यधिक अनुरोध पर ३० रजिस्ट्रेशन ओर किये गये। इसी आशा एवं विश्वास के साथ कि अधिक से अधिक मरीजों को शिविर के माध्यम से एवं उपचार के माध्यम से अधिक से अधिक राहत मिले। शिविर का समापन २४ अप्रेल को रात्रि ८.०० बजे हुआ।

आर.के. जैन उपाध्यक्ष
जैन इंजीनियर्स सोसायटी कोटा चेप्टर

With best Compliments from :

ITL INDUSTRIES LTD

111, Sector-B, Sanwer Road, Indore, http://www.itlind.com

India's leading Metal Cutting Solution Provider and manufacturer of ERW Tube & Pipes Production Equipments.

मेरी ताईवान यात्रा

मई २०११ के प्रथम सप्ताह में मुझे व्यावसायिक टूर पर ताईवान जाने का अवसर मिला। ताईवान वैसे तो चीन का ही अंग है परन्तु कोई भी ताईवानी अपने आप को चीन का नहीं मानता। बातचीत में यदि आप चीन की किसी भी प्रकार की बुराई कर देते हैं तो वे प्रफुल्लित हो उठते हैं एवं दोस्ताना व्यवहार करने लगते हैं। ताईवान एक छोटा सा द्वीप है जिसकी कुल आबादी तीन करोड़ से भी कम है व तकनीकी एवं कृषि क्षेत्र में अत्यधिक उन्नत है।

ताइपेई यात्रा के दौरान मैने पाया कि वहाँ की तरक्की एवं समृद्धि का मुख्य कारण डिसीप्लीन, सिविक सेंस एवं अपने देश के प्रति स्वाभिमान है। सबसे पहले मैनें वहाँ के यातायात का अध्ययन किया एवं पाया कि अधिकांश लोग छोटे स्कूटरों का उपयोग करते हैं, जिनमें महिलाये अधिक होती हैं। शायद इस प्रकार के वाहनों की कीमत कम होकर टैक्स न के बराबर है एवं उनका ईंधन खर्च भी बहुत कम होकर प्रदूषण स्तर भी कम रहता है। इस प्रकार के वाहनों को प्रोत्साहित करना एक अत्यन्त सराहनीय कदम है क्योंकि इससे पेट्रोल की कम खपत के साथ कम प्रदूषण होता है जो आवश्यक है। अधिक क्षमता वाली मोटरसाईकिल बहुत कम देखने को मिलती है जो सिर्फ शौकीन लोग ही रखते हैं जिस पर अत्यधिक टैक्स होता होगा। छोटे दो पहिया वाहन होने के बाद भी वहाँ स्त्री, पुरूष एवं पीछे बैठने वाले को अनिवार्यतः हेलमेट लगाना आवश्यक है। लोगों से चर्चा में कहीं नहीं लगा कि हेलमेट उन पर थोपा गया है। क्योंकि सबका यह मानना है कि कब एक्सीडेन्ट होगा कुछ पता नहीं एवं एक्सीडेन्ट होने के लिये कम अथवा तेज रफ्तार कोई मायने नहीं रखती। स्कूटर एवं अन्य वाहन चलाने के लिये लाइसेंस प्राप्त करना भी आसान नहीं है क्योंकि उन्हें कई परीक्षणों से गुजरना होता है। यातायात नियमों का पालन एवं आकस्मिक स्थितियों में क्या निर्णय किया जाय, यह सिखाया जाता है। दो पहिया वाहन चालक की जरा सी गलती से बड़े वाहन भी टकरा सकते हैं। अतः सभी के लिये यातायात के नियम एवं वाहन चलाने की निपुणता अत्यन्त आवश्यक है।

मैनें कहीं भी चौराहों पर रोटरी बनी हुई नहीं देखी क्योंकि ये स्मूथ वाहन चालन में ऑब्स्टेकल होती है एवं गति को धीमी करती है। साथ ही ट्राफिक कन्ट्रोल में दिक्कतें आती है। क्योंकि सिग्नल होते ही हर कोई तेज रफ्तार से बढ़ना चाहता है एवं जो सिर्फ सीधे डायरेक्शन में जाने से ही हो सकता है। जबकि रोटरी होने से घुमकर जाना पड़ता है। सभी चौराहों पर व्यवस्थित ट्राफिक कन्ट्रोल सिग्नल लगे हैं जिसमें पैदल चलने वालों के लिये भी व्यवस्थित जेब्रा क्रासिंग लाईन पर सिग्नल लगे हुये हैं। एक महत्वपूर्ण बात जो देखने में आई वो थी दो पहिया वाहनों के रूकने के लिये विशेष मार्किंग किया हुआ ब्लॉक, जो करीब ५ मीटर लम्बाई का होता है एवं इसके बाद चार पहिया वाहन को रूकना होता है। क्योंकि सिग्नल चालू होने के बाद सबसे पहले दो पहिया वाहन तेजी से बिना किसी अड़चन के बढ़ जाते हैं एवं उसके बाद चार पहिया वाहन आगे बढ़ते हैं।

बसों के चलने के लिये सड़क के बीच के डिवाईडर के दोनों तरफ स्थान होता है एवं इस बस की पट्टी पर सिर्फ आकस्मिक आवश्यकता पर ही अन्य वाहन आते हैं इस कारण से वहाँ बसों की गति बहुत अधिक होती हैं। साथ ही बस स्टैण्ड भी चौराहों के पास इस प्रकार बनाये जाते है कि यात्री बिना किसी दिक्कत एवं रिस्क के जेब्रा क्रासिंग होकर फूटपाथ तक आसानी से पहुँचते है। ट्राफिक सिग्नल का संचालन भी बहुत सिस्टमेटिक है-यदि आप निश्चित गति से वाहन चला रहे हैं तो हो सकता है कि आप को चार से पांच क्रासिंग पर ग्रीन लाईट ही मिले एवं आप तेजी से बढ़ सके क्योंकि सारे सिग्नल कम्प्यूटर से जुड़े होते हैं।

दो पहिया वाहनों की अधिकता होने के कारण उन्हें गलियों में एवं फूटपाथ पर निश्चित स्थान पर बड़े सलीके से रखा जाता है। क्योंकि रखने के स्थान पर मार्किंग की हुई होती है। पांच दिनों के टूर में मैनें कोशिश की कि कहीं मुझे मार्किंग से बाहर भी रखा हुआ कोई स्कूटर दिखे परन्तु मुझे निराश होना पड़ा। इसके बारे में एक महिला जो सड़क पर खड़ी हुई कारों का चालान बना रही थी से मालूम हुआ कि उसको इस क्षेत्र का जिम्मा दिया हुआ है एवं साथ ही उसे एक डिजीटल कैमरा एवं कम्प्युटराईज्ड चालान प्रिंटर जो कैमरे से लिंक है, दिया हुआ है। वह गलत पार्क किये हुये वाहनों का फोटो लेकर चालान को वाहन पर चिपका देती हैं एवं हर घण्टे में वह फिर से फोटो लेकर पहले पिचके हुये चालान पर समय लिख देती है। इस प्रकार कितनी देर गलत पार्किंग की उसके अनुसार चालान की राशि बढ़ती जाती है एवं कम्प्यूटर में स्टोर होती रहती है। साथ ही उसने बताया कि सभी चौराहों पर डिजीटल कम्प्यूटराईज्ड कैमरे लगे हैं जो रात को कम रोशनी में भी वाहनों के नम्बर रिकॉर्ड करते हैं। हर चौराहें के कन्ट्रोल के लिये पुलिस को खड़ा नहीं होना पड़ता एवं वे अपने बन्द कन्ट्रोल रूम से ही फोटो के साथ चालान बनाते रहते हैं, एवं दूसरे दिन चालान वाहन मालिक के घर पहुँच जाता है। मैनें यह महसूस किया कि डिसीप्लीन एवं सिविक सेंस लाना एक धीमी प्रक्रिया है परन्तु इसके लिये सख्त कानून एवं सजा की आवश्यकता होती है एवं धीरे-धीरे यह लोगों की आदत बन जाती है। अतः अच्छी आदत डलवाने के लिये सख्ती होना बुरा नहीं है, परन्तु सख्ती ईमानदारी से हो, यह आवश्यक है।

एक दिन शाम को जब मैं भोजन के लिये पास ही एक वेज़ीटेरियन चीनी रेस्टॅरेन्ट के लिये जा रहा था, एक स्थान पर सड़क के किनारे मैनें आठ से दस पुरूष एवं महिलाओं के हाथ में कचरे की बाल्टियाँ एवं कचरा भरी थैलियाँ देखी एवं उनके हाव-भाव देखकर मुझे लगा कि वो वहाँ किसी का इन्तजार कर रहे हैं। मेरी उत्सुकता बढ़ी एवं मैं भी थोड़ी दूरी पर खड़ा हो गया। उस समय शाम ०७:५५ बजे थे। कुछ ही मिनिटों में देखते ही देखते वहाँ और लोग आ गये एवं साथ ही दो कचरे की थैली से भरे लोडिंग रिक्शा भी आ कर खड़े हो गये। ठीक आठ बजे एक बड़ी कचरा गाड़ी आकर खड़ी हुई एवं उसमें पीछे का एक ट्रे-नुमा स्थान का ढ़क्कन ऑटोमेटिक खुला। देखते ही देखते सबने अपने हाथों का कचरा उस ट्रे में डाल दिया जब ट्रे पूरी भर गई तो एक हाईड्रॉलिक पुशर ने ट्रे के सारे कचरे को अन्दर की तरफ प्रेस कर दिया एवं फिर से ट्रे खाली हो गई, जिसमें दोनों रिक्शा वालों ने कचरें की थैलियाँ डाल दी एवं बाद में हाईड्रॉलिक पुशर ने सारा कचरा अन्दर प्रेस कर दिया। ये सारी प्रक्रिया सिर्फ चार से पांच मिनिट में हुई एवं ट्रक अगले गन्तव्य की ओर रवाना हो गया जहाँ और लोग उसका इन्तजार कर रहे होंगें। ट्रक एवं रिक्शा के जाने के बाद मैं आश्चर्यचकित था वहाँ एक भी कागज का टूकड़ा एवं कचरा नहीं दिखा। दूसरे दिन मैनें कचरा पेटी जो हमारे यहाँ हर मोहल्ले में रखी जाती है, देखने की कोशिश की परन्तु मुझे कहीं भी कचरा पेटी नहीं दिखी। इससे ये निश्चित हो गया कि वहाँ की कचरा निपटान प्रक्रिया अत्यधिक कारगर एवं सुगम हैं जिसके पीछे सिर्फ डिसीप्लीन एवं सिविक सेंस जो आम नागरिकों, रिक्शा चालकों एवं कचरा ट्रक चालक ने निभाया हैं

जब मैं वेज़ीटेरियन चीनी रेस्टॅरेन्ट में गया तो मैं वहाँ के वातावरण को देखकर अचम्भित हुआ क्योंकि एक बड़े हॉल में २५ से ३० टेबलें लगी हुई थी जिन पर लोग अपने परिवारों के साथ भोजन कर रहे थें एवं हॉल के बाहर कुछ लोग इन्तजार में खड़े थें। मुझे मालूम हुआ कि २० से २५ प्रतिशत लोग पूर्ण शाकाहारी हैं जो अन्य रेस्टॅरेन्ट में जाना पसन्द नहीं करतें। रेस्टॅरेन्ट में अपनी पसन्द से आप जो भी लेना चाहें लेकर खा सकते हैं जिसमें ताजे फल, विभिन्न सूप, सलाद, उबली हुई सब्जियाँ व तले हुये नमकीन एवं मीठे व्यंजन साथ ही कॉफी एवं हरी चायनीज़ टी एवं आईस्क्रीम भी थी। मैं तो वहाँ फलों को खाकर ही तृप्त हो गया जिसमें छोटे खरबूज के आकार के अमरूद (जाम), पाईनापल, तरबूज, खरबूज आदि थे। इन फलों की गुणवत्ता एवं स्वाद बहुत अच्छा था जिसका कारण ताईवान द्वारा कृषि क्षेत्र में की गई खोज एवं तरक्की है।

अधिकांश लोग चीनी भाषा ही बोलते हैं परन्तु अब पिछले करीब १०-१५ वर्षों में अंग्रेजी को स्कूलों में पढ़ाया जाता है एवं बच्चें अंग्रेजी समझ लेते हैं। सभी ऑफिस कार्य महिलायें ही करती हैं एवं उद्योगों में मशीन चालन का काम पुरूष करते हैं व असेम्बली एवं पैकिंग में महिलायें ज्यादा होती हैं। मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वहाँ महिला एवं पुरूष श्रमिकों को औसतन एक हजार डॉलर प्रतिमाह मिलता ही है जो करीब ४५००० रू. होता है। साथ ही अधिकांश उद्योगों एवं कार्यालयों में दोपहर का भोजन मुफ्त अथवा कम दामों पर उपलब्ध कराया जाता है। सबसे अच्छी बात ये लगी कि पूरे ताईवान में उद्योगों के शुरू होने का समय सुबह आठ बजे एवं लंच का समय दोपहर १२ से १ बजे तक होता है एवं इस दौरान भोजन के बाद सब विश्राम करते हैं, एवं शाम को पांच बजे अधिकांश संस्थान बन्द हो जाते हैं। अधिकांश उद्योग लघु उद्योगों की श्रेणी में आते हैं एवं मालिक वहीं अपने परिवार के साथ ही रहते हैं।

ताईवान के मुख्य शहरों में व्यवस्थित औद्योगीकरण किया गया है। सभी उद्योग क्षेत्र में चौड़ी सुन्दर सड़कें, अण्डरग्राउण्ड बिजली एवं फोन के तार होने से उद्योग क्षेत्र किसी उच्चवर्गीय रहवासी क्षेत्र से कम नहीं लगते। क्षेत्र के ले-आऊट सुन्दर प्लानिंग के साथ बनाये गये हैं जिससे पता ढुंढ़ने में बिल्कुल दिक्कत नहीं होती। वैसे वहाँ सभी वाहनों में सेटेलाईट नेवीगेटर लगे हुये हैं। उद्योग क्षेत्र अलग-अलग उत्पादों के हिसाब से बने हुये हैं। जैसे इंजीनियरिंग एवं मशीन टूल्स के लिए ताईचुंग शहर मुख्य है। मशीनों में लगने वाले सभी कलपुर्जे बनाने के उद्योग यहाँ होने से मुख्य उत्पाद बनाने वालों को इन सभी उद्योगों से पुर्जे कम लागत पर एवं कम ट्रांसपोर्टेशन खर्च पर नियत समय पर मिल जाते हैं। ताईवान के उत्पाद सस्ते होकर अच्छी गुणवत्ता के होते हैं, जिसका कारण उत्पादन खर्च में कमी एवं सिर्फ ४ प्रतिशत के करीब बैंक ब्याज एवं साथ ही शासन द्वारा प्रदत्त आवश्यक सुविधाएँ हैं।

पांच दिन के इस टूर ने मुझे ताईवान के प्रति काफी प्रभावित किया एवं मैं यह सोचने लगा हूँ कि कैसे हम भी अपने आस-पास सुधर हेतू ताईवान जैसे छोटे से देश से प्रेरणा ले सकें।

इंजी. मनीष जैन इन्दौर
मो.: ०९३०२१ ०४६५८

इन्वेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन

जैन इन्जीनियर सोसाइटी भोपाल चेपटर, प्रदेश की अग्रणी शेयर ब्रोकर संस्थान कल्पतरू मल्टीप्यर लि. भोपाल, एवं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेन्ज के संयुक्त तत्वाधान मे भोपाल के BHEL टाउनशिप मे एक इन्वेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य बक्ता CNBC चैनल के श्री राजेश जैन मुम्बई, BSE के श्री हरिविन्दर सिंह सोखी दिल्ली, तथा CDSL के श्री यशवन्त गुप्ता जयपुर तथा प्रदेश के जाने माने इन्वेस्टमेन्ट एडवाइजर श्री आदित्य मनयां जैन थे। मुख्य अतिथि भोपाल के युवा विधायक श्री विश्वास सारंग और मीडिया मुगल श्री भरत पटेल थे।

कार्यक्रम में प्रमुख बक्ताओ ने शेयर व्यापार की बारीकिया, सोने मे निवेश के आधूनिक तरीके और सुरक्षित निवेश के बारे मे विस्तार से श्रोताओं को बताया और बताया कि निवेशको के साथ यदि कोई गड़बड़ी करता है तो निवेशको के पास क्या क्या अधिकार है। और वह कहा कहा उनकी शिकायत कर सकता है।

कल्पतरू के मैनेजिंग डॉयरेक्टर इन्जीनियर अमिताभ मनयां जैन ने बताया कि किसी भी कम्पनी मे निवेश करने के पहले किन किन बातो की और किस तरीके से जानकारी हासिल करनी चाहिये और सोने को एक्सचेन्ज के जरिये खरीदने मे क्या क्या फायदे है।

जैन इन्जीनियर्स सोसाइटी भोपाल के अध्यक्ष श्री शरद कुमार सेठी संरक्षक श्री शरद चन्द्र सेठी उपाध्यक्ष श्री शरद चन्द तामोट सचिव श्री अमिताभ मनयां जैन सह सचिव श्री बीरेन्द्र अजमेरा, श्री अभय किआवत ,श्री पी.सी जैन, श्री मनोज जैन, श्री एस. सी जैन, श्री महेन्द्र जैन, श्री पी.सी. मोदी श्री सुरेश चन्द्र जैन एवं भोपाल चेप्टर के अधिकांश सदस्यों ने इस कार्यक्रम की बहुत सराहना की और कहा इस तरह के अनेक विषयों पर अवेयरनेस प्रोग्राम होना चाहिये जिससे सदस्यो का ज्ञान बढ़ सके। अन्त मे स्नेह भोज के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

शरद कुमार सेठी अध्यक्ष
जेस भोपाल चेप्टर

शहीद सुभाष शर्मा को श्रद्धा सुमन

जेस कोटा चेप्टर द्वारा दि. १३/०४/२०११ को कोटा शहर के विभिन्न संस्थानों के सौजन्य से ओम सिनेप्लेक्स इंदिरा विहार, कोटा, मे 'शहीदों को शहादत' कार्यक्रम आयोजित कर निर्धन शहीद परिवारों, गरीबों की सेवा, निःशक्त जन क्ल्याण एवं समाज के बेसहारा वर्ग के हितार्थ, शहीद डिप्टी कमान्डेन्ट सुभाष शर्मा क्ल्याण संस्था के सहयोग हेतु शहीद सुभाष शर्मा की जयंती पर 'वेडनस्डे फिल्म' का मेघा चेरिटी शो आयोजित किया गया जिसमे कोटा शहर की समस्त संस्थालजओं एवं जेस कोटा चेप्टर के समस्त सदस्यगण उपस्थित हुए एवं शहीद सुभाष शर्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजली दी गई।

इंजी. प्रेम कासलीवाल
सचिव जेस कोटा चेप्टर

First Thing Every Morning

If you had a bank that credited your account each morning with $86,400 - with no balance carried from day to day - what would you do?

Well, you do have such a bank...TIME.

Every morning it credits you with 86,400 seconds. Every night it rules off as "lost" whatever you have failed to use toward good purposes. It carries over no balances and allows no overdrafts. You can't hoard it, save it, store it, loan it or invest it. You can only use it - time. Here are six terrific truths about time:

First: Nobody can manage time. But you can manage those things that take up your time.

Second: Time is expensive. As a matter of fact, 80 percent of our day is spent on those things or those people that only bring us two percent of our results.

Third: Time is perishable. It cannot be saved for later use.

Fourth: Time is measurable. Everybody has the same amount of time...pauper or king. It is not how much time you have; it is how much you use.

Fifth: Time is irreplaceable. We never make back time once it is gone.

Sixth: Time is a priority. You have enough time for anything in the world, so long as it ranks high enough among your priorities.

Er Arun Rekha Jain- Indore

Aurangabad Chapter Activities--

After the Mahavir Jayanti Programme our team has arranged the "Student Counseling " programme . The programme was of similar nature with some new additions as we are successfully doing since last 2 year

All the parents whose children's had participated in the programme has appreciated the activity and Most of the students were benefited by the programme . This year again we had invited "Mr. Mokashi Sir" to conduct the programme -- "How to make Decision on Future Carrier".

It was a scientific programme of 16 hrs for children of std 8th and above .

The details of the programme was as follows :

Registration fees --Rs 1200 for 2 days(incl. of 2 Breakfast,2 Lunch & 2 Afternoon high tea.)

Venue ---Hotel Lemon tree , Cidco Aurangabad

Date --- 11th & 12th June 2011 Timings ---- 8.30 Am to 6 Pm

Project Chairman was Er Pankaj Agarwal . Our Er Bharat Thole was instrumental in the Project and even the children appreciated for the delicious Food they had during the session.

Special thanks to him for getting us the Hotel Lemon Tree Package for 2 days.

Er Anand Mishrikotkar

Answer of Puzzle Point # 8 : "Mind your way"

Naturally, The Train travelling against the spin of the earth. The Train will wear out its wheels more quickly, because the centrifugal force is less on this train.

Correct answer is received only from one participant.

Puzzle Point # 8 : Names are displayed in order of answer received.			
Sr. No.	Name of Participants	Global ID No.	City
1	Prashant Shah	101092	Bharuch

Pl. write your Name, G.ID No., Organization, City, etc. while sending your answer. Such details will help us to identify you and compilation of correct participants for displaying their name.

Congratulations to Er. Prashant Shah who has solved Puzzle Point # 8 successfully.

Puzzle Point # 9
Date : 20/06/2011

Jain Engineers Society News
Puzzle Master : Er. M P Shah, GNFC, Bharuch, Gujarat.

"Columbus"

A boy wants to reach the central part of a small square pond without getting wet.

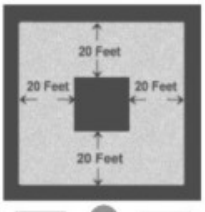

The distance between central part and each edge of the pond is 20 feet & he has 2 planks each of 19 feet long.

How does he get across?

Send answer to cmpshah@gmail.com (B4 07/07/11)

USED vs LOVED

While a man was polishing his new car, his 4 yr old son picked up a stone and scratched lines on the side of the car. In anger, the man took the child's hand and hit it many times not realizing he was using a wrench. At the hospital, the child lost all his fingers due to multiple fractures.

When the child saw his father..... with painful eyes he asked, 'Dad when will my fingers grow back?'

The man was so hurt and speechless;

he went back to his car and kicked it a lot of times.

Devastated by his own actions..... sitting in front of that car he looked at the scratches;

the child had written 'LOVE YOU DAD'.

The next day that man committed suicide. . .

Anger and Love have no limits; choose the latter to have a beautiful, lovely life & remember this:

Things are to be used and people are to be loved. The problem in today's world is

that people are used while things are loved.

Let's try always to keep this thought in mind (Moral):

Things are to be used,

People are to be loved.

Watch your thoughts; they become words.

Watch your words; they become actions.

Watch your actions; they become habits.

Watch your habits; they become character;

Watch your character; it becomes your destiny.

I'm glad a friend forwarded this to me as a reminder..

I hope you have a good day no matter what problems you may face it's the only day you'll have before it's over.

Er Tapan Jain, Indore

वस्तुतः जैन एकता का प्रतीक

मै बचपन, से लगभग ६० वर्षों से जैन धर्म के सभी अनुयायियों एवं दिगम्बर एवं श्वेतांबर समाज मे एकता के बारे मे शिर्षस्थ नेताओं व आचार्यों / विद्वानों के विचार सुनते व पढ़ते आया हूँ। इसमे प्रयास करने के लिये भारत जैन महामंडल जैसी राष्ट्रीय संस्थाओं का गठन भी किया गया। लेकिन अभी तक मोटे तौर पर निराशा ही हाथ लगी, ऐसा प्रतीत होता है। इसका एक प्रमाण है, आज भी दिगम्बर एवं श्वेतांबर समाज के कई विवाद न्यायालयों मे पड़े हैं व हम अपनी शक्ति, उर्जा एवं धन उसमे बरबाद कर रहे हैं। हालाकि दोनों ही पंथ भगवान महावीर को ही मानते हैं, लेकिन पूजा, अर्चना की विधि अलग-अलग होने से उनके ही सिध्दान्तों के विरुध्द आपस मे द्वेषभाव रखते हैं। ऐसे समय मे श्री. अल्केश मोदी एवं उनके परिवार द्वारा लोनावला, मुम्बई: पुणे जुना महामार्ग पर डिव्हाईन सोसायटी मे नव निर्मित जिन मन्दिर एक प्रशंसनीय कदम है। इस मन्दिर परिसर मे एक हॉल मे तीन वेदियाँ हैं। बीच मे मूलनायक भगवान महावीर की जिन प्रतिमा है तथा उसके एक ओर भगवान शांतिनाथ की श्वेताम्बर तथा दूसरी ओर भगवान आदिनाथ की दिगम्बर प्रतिमा प्रतिष्ठित है। इस तरह यह जैन एकता का सफल प्रयास है। साथ ही इस रम्य पर्वती स्थल पर रहने और भोजन की भी उत्तम व्यवस्था है, जहाँ सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रम के आयोजनों द्वारा जैन एकता के प्रयास किये जा सकते हैं।

डॉ. प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
१-६०४, रोहन निलय, औंध, पुणे-७

मॉ की प्रार्थना

प्रभु,
मुझे एक ऐसा पुत्र देना जो
इतना बलवान हो कि अपनी दुर्बलता को जान सके।
इतना पराक्रमी हो कि भयभीत होने पर स्वंय का सामना कर सके।
सच्चे पराभव मे गौरव माने और स्थिर चित्त बना रहे।
विजय मे विनम्र और सुशील बना रहे।

प्रभु, मेरे पुत्र को ऐसा बनाना कि
जहाँ उसके सामर्थ्य की दरकार हो वहाँ वह स्वार्थ न साधे।
मेरा पुत्र तुम्हे पहचाने, और विश्वास रखे कि
पुर्ण ज्ञान तक ले जाने वाली सीढ़ी का पहला सोपान
अपने आपको जानना है।

हे भगवान, उसे ऐसे रास्ते न भेजना
जहाँ आराम और अनुकुलता के फूल खिले हो।
उसे ऐसे रास्ते पर चलना सिखाना, जिस पर चुनौती, संघर्ष
और कठिनायों के काँटे बिछे हो।
और उस रास्ते पर जब आँधी और तुफान आये
तब वह स्थिर रहना सीखे।
उस झन्झावत मे जो धराशायी हुए हों, उनके प्रति
उसकी करूणा का स्त्रोत बहे।
मेरे पुत्र का हृदय स्वच्छ और निर्मल हो प्रभु
उसका ध्येय महान हो
दूसरो पर प्रभुत्व जमाने की इच्छा जागे
उससे पहले वह स्वंय पर काबू पाये।

वह दिल खोल कर हंसना सीखे।
साथ ही उसके नयन कभी आंसूओ से सजल भी हो।
उसकी दृष्टि भविष्य की झलक के साथ
बीते हुए समय को भी देख सके।

मेरी अंतिम प्रार्थना यह है प्रभु
उसे थोड़ी विनोद वृत्ति भी देना
जिससे वह हमेशा गंभीर रहकर
अपने आपके प्रति अनुदार ना बने।

उसे विवेकी बनाना
जिससे वह सच्ची महानता की सरलता को
बुध्दिमता के औदार्य को पहचान सके।
यदि ऐसा होगा तो मेरी जुबान
कृतज्ञ होकर होले से कहेगी
मेरा जीवन व्यर्थ नही गया।

परम समीप....कुन्दनिका कापडिया

Dont press #90 or #09 on mobile

Please take care IF SOME ONE ASKS YOU TO DIAL #09 or #90.
Please Do Not Dial This When Asked.
New Trick of Terrorists to Frame Innocent People!!
If you receive a phone call on your Mobile from any person saying that they are checking your mobile line, and you have to press #90 or #09 or any other number.
End this call immediately without pressing any numbers.
Team there is a fraud company using a device that once you press #90 or #09
they can access your SIM card and make calls at your expense.
Forward this message to as many friends as u can, to stop it.
This information has been confirmed by both Motorola and Nokia.
There are over 3 million affected mobile phones.

Er Shekhar Jain, 144-Shanti Niketan,Indore

First Thing Every Morning

NEW CHAPTERS

JODHPUR CHAPTER, JHANSI CHAPTER, BHILWARA CHAPTER, AJMER CHAPTER, GWALIOR CHAPTERS, AGRA CHAPTER, AHEMDNAGAR CHAPTER NASIK CHAPTER, WASIM CHAPTER, SURAT CHAPTER

इस पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों, संकलन एवं विचारों के लिए लेखक/प्रेषक/संकलनकर्ता स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्रव्यवहार के लिए पता– जैन इंजीनियर्स सोसायटी, मनोप्रेम 144, कंचन बाग, इन्दौर-452002 (भारत)
फोन: 0731-3044602 E-mail-jainengineers@eth.net, Website- www.jainengineerssociety.com

BOOK-POST
PRINTED MATTER

RNI : MPBIL/2004/13588
डाक पंजी. क्रं आयडीसी/डिवीजन/1130/2009-11

TO,

If undelivered, please return to :
Jain Engineers' Society,144, Kanchan Bagh, Indore 452001 (M.P.)

Owned & Published by Rajendra Singh Jain From 144, Kanchan Bagh, Indore (M.P.) & Printed by Nirmal Graphics Press, 340, Nayapura, Indore (M.P.)
Editor - Er. Rajendra Singh Jain